12:40pm

(20)

नेहरू विहार सेन्टर
(Nehru Vihar Centre)

दृष्टि The Vision

drishti

GENERAL STUDIES (Test–4)

निर्धारित समय: तीन घंटे
Time allowed: Three Hours

DTVF/22 (O-A)–M–**GSM (M-I)-2304**

अधिकतम अंक: 250
Maximum Marks: 250

Name: Payal Gwalwanshi
Mobile Number: ____________
Medium (English/Hindi): Hindi
Reg. Number: 2564
Center & Date: Nehru Vihar .
UPSC Roll No. ***(If allotted)*****:** ____________

प्रश्न-पत्र के लिये विशिष्ट अनुदेश

कृपया प्रश्नों का उत्तर देने से पूर्व निम्नलिखित प्रत्येक अनुदेश को ध्यानपूर्वक पढ़ें:

*इसमें **बीस** प्रश्न हैं तथा **हिन्दी** और **अंग्रेज़ी** दोनों में छपे हैं।*
सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।
प्रत्येक प्रश्न के अंक उसके सामने दिये गए हैं।
प्रश्नों के उत्तर उसी माध्यम में लिखे जाने चाहियें जिसका उल्लेख आपके प्रवेश-पत्र में किया गया है, और इस माध्यम का स्पष्ट उल्लेख प्रश्न-सह-उत्तर (क्यू.सी.ए.) पुस्तिका के मुख-पृष्ठ पर अंकित निर्दिष्ट स्थान पर किया जाना चाहिये। उल्लिखित माध्यम के अतिरिक्त अन्य किसी माध्यम में लिखे गए उत्तर पर कोई अंक नहीं मिलेंगे।
प्रश्नों में शब्द सीमा, जहाँ विनिर्दिष्ट है, का अनुसरण किया जाना चाहिये।
प्रश्न-सह-उत्तर-पुस्तिका में खाली छोड़ा हुआ पृष्ठ या उसके अंश को स्पष्ट रूप से काटा जाना चाहिये।

QUESTION PAPER SPECIFIC INSTRUCTIONS

Please read each of the following instruction carefully before attempting questions:

*There are **TWENTY** questions printed both in **HINDI** and **ENGLISH**.*
All the questions are compulsory.
The number of marks carried by a question is indicated against it.
Answers must be written in the medium authorized in the Admission Certificate which must be stated clearly on the cover of this Question-cum-Answer (QCA) Booklet in the space provided. No marks will be given for answers written in a medium other than the authorized one.
Word limit in questions, wherever specified, should be adhered to.
Any page or portion of the page left blank in the Question-cum-Answer Booklet must be clearly struck off.

केवल मूल्यांकनकर्ता द्वारा भरा जाए ***(To be filled by Evaluator only)***

Question Number	Marks	Question Number	Marks
1.		11.	
2.		12.	
3.		13.	
4.		14.	
5.		15.	
6.		16.	
7.		17.	
8.		18.	
9.		19.	
10.		20.	
Grand Total (सकल योग)			

मूल्यांकनकर्ता (हस्ताक्षर)
Evaluator (Signature)

पुनरीक्षणकर्ता (हस्ताक्षर)
Reviewer (Signature)

drishti | दृष्टि The Vision

Feedback

1. Context Proficiency (संदर्भ दक्षता)
2. Introduction Proficiency (परिचय दक्षता)
3. Content Proficiency (विषय-वस्तु दक्षता)
4. Language/Flow (भाषा/प्रवाह)
5. Conclusion Proficiency (निष्कर्ष दक्षता)
6. Presentation Proficiency (प्रस्तुति दक्षता)

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

1. सतत् विकास के लिये हमें रैखिक अर्थव्यवस्था के दृष्टिकोण से आगे बढ़ने की जरूरत है। इस संदर्भ में चक्रीय अर्थव्यवस्था की अवधारणा और इसके महत्त्व की व्याख्या कीजिये। (150 शब्द) 10
For sustainable development we need to move beyond the approach of linear economy. In this context explain the concept of circular economy and its importance. (150 words) 10

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

उत्तर- जलवायु परिवर्तन संबंधी पेरिस समझौते में वर्ष 2015 में 17 सतत विकास लक्ष्यों की सूची तैयार की गई जिन्हें वर्ष 2030 तक सभी सदस्य देशों द्वारा हासिल करने के प्रयास किये जा रहे हैं।

सतत विकास लक्ष्यों की प्राप्ति हेतु रैखिक अर्थव्यवस्था की अवधारणा

→ इस दृष्टिकोण के अंतर्गत अनुत्क्रमणीय प्रक्रिया का पालन किया जायेगा।
→ सतत विकास हेतु किये गये प्रयास अग्रगामी होंगे और इसके प्रभाव सकारात्मक होंगे।

उदा०

प्रदूषण को रोकने हेतु → ई-वाहिकल का प्रयोग, जीवाश्म ईंधन की कटौती → CO_2 की मात्रा में कमी

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

सतत विकास लक्ष्यों के संदर्भ में चक्रीय अर्थव्यवस्था का दृष्टिकोण -

चक्रीय अर्थव्यवस्था का दृष्टिकोण उत्क्रमणीय प्रक्रिया का पालन करना है। जो संसाधनों के सतत और पुनः उपयोग की धारणा को अपनाना है।

उदा०

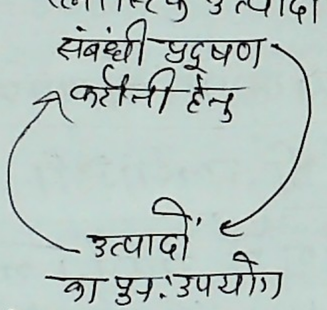

चक्रीय अर्थव्यवस्था का महत्व

→ संसाधनों का समुचित उपयोग
→ सतत विकास हेतु सहायक
→ संसाधनों की बचत
→ प्रदूषण की समस्या का समाधान
→ अपशिष्टों का निपटान
→ ऊर्जा की बचत

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

2. नई आर्थिक नीति 1991 ने भारत के आर्थिक प्रक्षेपवक्र को रूपांतरित कर दिया है, लेकिन यह आलोचनाओं से मुक्त नहीं है। विचार कीजिये। (150 शब्द) 10

New Economic Policy, 1991 has changed the economic trajectory of India but is not free from criticisms. Discuss. (150 words) 10

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

उत्तर - वर्ष 1991 तक भारतीय अर्थव्यवस्था समाजवादी और मध्य मार्ग में पूंजीवादी अर्थव्यवस्था का मिश्रित रूप थी परन्तु 1990 के दशक के आर्थिक मंदी के समय भारत को अपनी अर्थव्यवस्था को खोलना पड़ा और और नई आर्थिक नीति अपनानी पड़ी।

नई आर्थिक नीति 1991 का भारतीय अर्थव्यवस्था पर प्रभाव -

1) उदारीकरण की नीति द्वारा विदेशी निवेश के द्वारा खुले
2) निजीकरण की नीति द्वारा सरकारी हस्तक्षेप कम हुआ
3) वैश्वीकरण की नीति द्वारा भारतीय व्यापार को बढ़ावा मिला।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

4) भारतीय अर्थव्यवस्था एक खुली अर्थव्यवस्था में परिवर्तित

5) लाइसेंस की प्रक्रिया और कानूनों के क्रियान्वयन में ढील

नई आर्थिक नीति 1991 की चुनौतियाँ

1) निजीकरण के कारण सरकारी कल्याणकारी योजनाओं के प्रति उदासीनता

2) अर्थव्यवस्था के मांग-आपूर्ति के नियम पर आधारित होने से असमानता को बढ़ावा, बाजारवादी अर्थव्यवस्था

3) अमीर वर्ग और अमीर हुए और गरीब और गरीब (असमानता में वृद्धि)

4) भारत की आर्थिक सम्प्रभुता को ठेस और कर्ज में वृद्धि

अर्थात् नई आर्थिक नीति तत्कालीन समय की मजबूरी की स्थिति का कदम था।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

drishti | दृष्टि The Vision

3. भारत की समग्र वृद्धि और विकास के लिये बंदरगाह महत्त्वपूर्ण हैं। विचार कीजिये। (150 शब्द) 10
Ports are important for the overall growth and development of India. Discuss. (150 words) 10

उत्तर- भारत की भौगोलिक स्थिति के तहत तीन ओर से समुद्र से घिरा होना और 7515 km की तटीय सीमा, भारत में बंदरगाह के महत्व में वृद्धि करती है।

भारत में बंदरगाहों की स्थिति

भारत में 12 बड़े बंदरगाह हैं और कुछ छोटे बंदरगाह भी हैं।

भारत के महत्वपूर्ण बंदरगाह

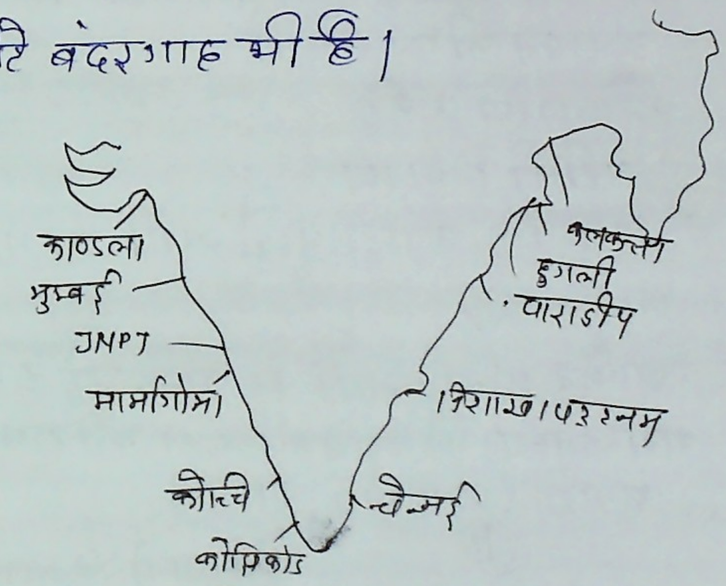

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

भारत के समग्र वृद्धि और विकास में बंदरगाहों का महत्व -

→ बंदरगाहों की मदद से जलीय मार्ग से व्यापार सम्भव होता

→ अन्य मार्गों की अपेक्षा जलीय मार्ग सस्ता और कम प्रदूषण करता है।

⇓

→ व्यापार अधिक होने से भारत में उत्पादन की दर बढ़ेगी

→ रोजगार वृद्धि

→ गरीबी निवारण

→ विनिर्माण, कृषि उत्पादों सभी की मांग

⇓

आर्थिक गतिविधियों में वृद्धि से समग्र अर्थव्यवस्था में गतिशीलता और आर्थिक समृद्धि (GDP ग्रोथ, PPI ↑)

⇓

संवृद्धि से विकास →
- शिक्षा में विकास
- स्वास्थ्य
- खाद्य सुरक्षा
- प्रति व्यक्ति आय

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

4. एक नियोजित अर्थव्यवस्था ने स्वतंत्रता के बाद भारत के आर्थिक और कल्याणकारी लक्ष्यों को प्राप्त करने में किस प्रकार मदद की है? (150 शब्द) 10

How has a planned economy helped in achieving India's economic and welfare goals post-independence? (150 words) 10

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

उत्तर - स्वतंत्रता प्राप्ति के पश्चात, भारत द्वारा मिश्रित अर्थव्यवस्था की नीति के अंतर्गत 1950 में योजना आयोग की स्थापना की गई और पंचवर्षीय योजनाओं के माध्यम से नियोजित विकास के मॉडल को अपनाया गया।

नियोजित अर्थव्यवस्था से आशय

सोवियत संघ जैसे साम्यवादी (समाजवादी) देशों द्वारा योजनाओं के माध्यम से कल्याणकारी समाजवादी अर्थव्यवस्था की नीति अपनाई गई थी।

अतः भारत द्वारा भी इसी का पालन किया गया।

→ निश्चित समय में योजनागत लक्ष्य निर्धारित करना

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

→ लक्ष्यों की प्राप्ति हेतु संसाधनों का आवंटन और इष्टविकल्प करना

→ सरकारी हस्तक्षेप अधिक

आर्थिक और कल्याणकारी कार्यों को प्राप्त करने में भूमिका -

1) इस अर्थव्यवस्था में सरकार का रोजगारों के निर्माण में अहम योगदान होता है।

2) समाजवादी कार्यों जैसे - गरीबी निवारण, रोजगार सृजन, लघु और कुटीर उद्योगों को बढ़ावा

3) सामाजिक सुरक्षा जैसे - पेंशन, जीवन बीमा, मातृत्व लाभ

4) खाद्य सुरक्षा हेतु मुफ्त में अनाज, राशन वितरण

उदा॰ प्रथम पंचवर्षीय योजना के तहत, गरीबी निवारण और कृषि उत्पादन की वृद्धि

अतः नियोजित अर्थव्यवस्था का मूल उद्देश्य लोककल्याण ही होता है।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

5. मेथनॉल अर्थव्यवस्था की चर्चा कीजिये साथ ही यह भी विश्लेषित कीजिये कि यह सतत् ऊर्जा सुरक्षा प्राप्त करने में किस प्रकार सहायक है? (150 शब्द) 10

Define methanol economy and explain how it is helpful in achieving sustainable energy security. (150 words) 10

उत्तर - वर्तमान में सतत विकास लक्ष्यों की प्राप्ति और नवीकरणीय ऊर्जा को बढ़ावा देने आदि उद्देश्यों हेतु वर्ष 2025 तक 20% मेथेनाल का ईंधन (पेट्रोल में) मिश्रण का लक्ष्य रखा गया है।

मेथेनाल अर्थव्यवस्था से तात्पर्य

प्रदूषण के स्तर को कम करने और जीवाश्म ईंधनों पर निर्भरता को कम करने के उद्देश्य से, ईंधन में कुछ मात्रा मेथेनाल के मिश्रण को ही बढ़ावा देना, मेथेनाल अर्थव्यवस्था का मूल है।

मेथेनाल - खाद्य पदार्थों के अपशिष्टों - अखाद्य फसलों जैसे जेट्रोफा। आदि को नियंत्रित वातावरण में उपचारित कर मेथेनाल का उत्पादन किया जाता है।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

सतत ऊर्जा सुरक्षा प्राप्त करने में मेथेनाल अर्थव्यवस्था का योगदान

→ कार्बन उत्सर्जन को कम करने के लक्ष्य की प्राप्ति हेतु (COP-26 में ग्लासगो सम्मेलन में भारत द्वारा पांच लक्ष्य तय किये गये है)

→ जीवाश्म ईंधन पर निर्भरता कम कर नवीकरणीय स्रोतों के उपयोग को प्रोत्साहन

→ मेथेनाल उत्पादन हेतु कृषि को बढ़ावा, रोजगार सृजन, अपशिष्ट निपटान आदि द्वारा सतत विकास

→ ऊर्जा प्राप्ति के वैकल्पिक स्रोतों को बढ़ावा।

अतः मेथेनाल अर्थव्यवस्था को बढ़ावा देने हेतु मेथेनाल नीति 2016 बनाई गयी थी जो मूल उद्देश्य मेथेनाल के उत्पादन को बढ़ावा देना ही था।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

6. आर्थिक असमानता को मिटाने और समृद्धि बढ़ाने के लिये समावेशी विकास एक केंद्रीय विषय है। समालोचनात्मक विवेचना कीजिये। (150 शब्द) 10

Inclusive growth is a central theme to eradicate economic inequality and raise prosperity. Examine. (150 words) 10

उत्तर - वर्तमान में, भारतीय अर्थव्यवस्था द्वारा समावेशी विकास को बढ़ावा देना हेतु कई कार्यक्रम जैसे - नीति आयोग का गठन, जनधन योजना, स्वच्छ भारत अभियान, जनरेशन बन राशन कार्ड आदि प्रमुख कदम है।

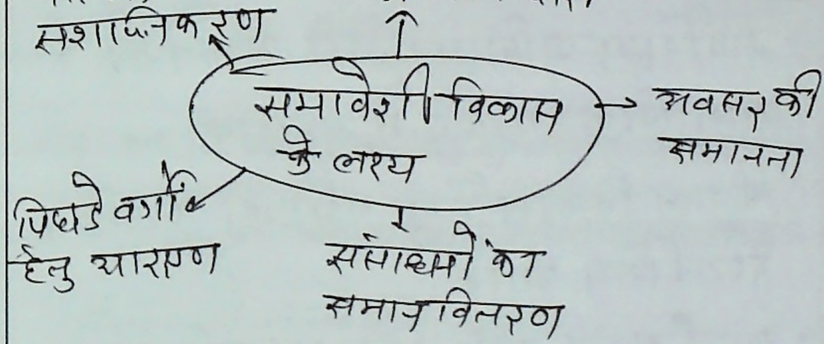

आर्थिक असमानता मिटाने में भूमिका

→ समावेशी विकास के तहत सभी लोगों को रोजगार, शिक्षा आदि उपलब्ध कराया जाता है।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उदा० जनधन योजना

→ आर्थिक लाभ पहुँचाने हेतु ऋण की सुविधा, सब्सिडी.

उदा० मुद्रा योजना
किसान क्रेडिट

→ रोज्गार देने, निर्धनता कम करने आदि हेतु - मनरेगा कार्यक्रम

समृद्धि बढ़ाने में समावेशी विकास का महत्व

→ सर्वशिक्षा अभियान जैसे समावेशी कार्यक्रम सामाजिक समृद्धि में सहायक

→ कौशल विकास हेतु प्रशिक्षण कार्यक्रम, इण्टर्नशिप आदि

→ खाद्य सुरक्षा और स्वास्थ्य सुविधा हेतु PDS और पोषण अभियान

अतः समावेशी विकास द्वारा समाज में व्याप्त असमानता को कम कर समग्र वृद्धि को हासिल किया जा सकता है।

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

7. मुद्रास्फीति लक्ष्यीकरण क्या है? भारत में मुद्रास्फीति के प्रबंधन में भारतीय रिज़र्व बैंक द्वारा उपयोग किये जाने वाले साधनों पर चर्चा कीजिये। (150 शब्द) 10

What is inflation targeting? Discuss the tools used by RBI in managing inflation in India. (150 words) 10

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

उत्तर- भारत में मौद्रिक नीति समिति द्वारा मुद्रास्फीति को नियंत्रित करने हेतु इसे 4±2% की सीमा (2 से 6%) तक बनाये रखना का लक्ष्य ही, मुद्रास्फीति लक्ष्यीकरण कहलाता है।

~~मुद्रास्फीति समिति~~

मौद्रिक नीति समिति द्वारा अर्थव्यवस्था में मुद्रास्फीति के स्तर को नियंत्रित करने हेतु कई मौद्रिक कदम और सरकार द्वारा भी राजकोषीय नीति द्वारा कई कदम उठाये जाते हैं।

MPC द्वारा हर दो माह में मुद्रास्फीति की दर को प्रकाशित किया जाता है। जो CPI और WPI दोनों वर्गों में होती है।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

मुद्रास्फीति प्रबंधन में RBI द्वारा प्रयुक्त साधन -

1) रेपो रेट - RBI द्वारा बैंकों को ऋण देने की दर।
मुद्रास्फीति प्रबंधन हेतु इसमें वृद्धि।

2) रिवर्स रेपो रेट - RBI द्वारा बैंकों से उधार लेने की दर।

3) ओपन मार्केट ऑपरेशन - सरकारी प्रतिभूतियों की खरीद-बिक्री द्वारा मुद्रा के चलन को नियंत्रित करना।

4) CRR और SLR (वैधानिक तरलता अनुपात)
इनके अनुपात में वृद्धि कर, मुद्रा के (मात्रा) को कम कर मुद्रास्फीति में नियंत्रण

उपरोक्त साधनों के माध्यम से रिजर्व बैंक ऑफ इण्डिया, अर्थव्यवस्था में मुद्रा की मात्रा को नियंत्रित कर, मुद्रास्फीति प्रबंधन करता है।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

8. निवेश दर के अलावा अन्य भिन्न कारक भी हैं जो भारत के लिये अपनी उच्च विकास क्षमता को साकार करने के लिये महत्त्वपूर्ण हैं। चर्चा कीजिये। (150 शब्द) 10

Beside investment rate there are many other factors which are important for India to realize its high growth potential. Discuss. (150 words) 10

उत्तर - वर्ष 1991 में नई आर्थिक नीति द्वारा उदारीकरण और वैश्वीकरण की नीति को अपनाया गया जिसमें बाह्य निवेश की अर्थव्यवस्था के विकास हेतु महत्वपूर्ण चालक माना गया।

अर्थव्यवस्था के विकास में निवेश दर का महत्व -

→ निवेश दर कम होने से निवेश की मात्रा में वृद्धि होती है
→ आर्थिक गतिविधियों में वृद्धि
→ रोजगार निर्माण
→ आय में वृद्धि
→ निर्यात में बढ़ोत्तरी
↓
अंततः आर्थिक विकास

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

निवेश दर के अलावा अन्य कारक जो आर्थिक विकास क्षमता को बढ़ावा देते हैं

→ ईज ऑफ डूइंग - अर्थात् नियम - कानूनों की जटिलता में कमी,
→ लाइसेंस प्राप्ति में सरलता
वर्तमान में वर्ल्ड बैंक द्वारा ईज ऑफ डूइंग बिजनेस इण्डेक्स में भारत की स्थिति में सुधार हुआ।

→ श्रम की उपलब्धता -
→ भारत में सस्ते श्रम की उपलब्धता
→ जनसांख्यिकीय लाभांश की स्थिति
→ ससांधनों की उपलब्धता
→ भारत में खनिज, कृषि, आदि प्राकृतिक संसाधनों की भरपूर मात्रा है जो आर्थिक विकास क्षमता को मजबूत करते हैं। निष्कर्षतः भारत के विकास की क्षमता हेतु संसाधनों की उपलब्धता उचित है।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

9. बेरोज़गारी के विभिन्न प्रकार क्या हैं। भारत में बेरोज़गारी के कारणों पर प्रकाश डालिये। (150 शब्द) 10

What are the different types of unemployment. Bring out the causes of unemployment in India. (150 words) 10

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

उत्तर- वर्तमान में भारत विश्व में इसकी सबसे बड़ी जनसंख्या वाला देश है जहाँ सबसे अधिक जनसांख्यिकीय लाभांश (15-59 वर्ष) की स्थिति है परन्तु साथ ही, विगत 45 वर्षों में सबसे अधिक बेरोज़गारी दर पायी गयी है।

बेरोज़गारी - एक ऐसी स्थिति है जब कोई व्यक्ति काम पाना चाहता है, परन्तु कार्य प्राप्ति में असमर्थ होता है।

बेरोज़गारी के प्रकार

1) संरचनात्मक बेरोज़गारी - कुशलता में कमी के कारण
2) प्रच्छन्न बेरोज़गारी - अनावश्यक श्रम - कोई मूल्य नहीं
3) घर्षणात्मक बेरोज़गारी - एक नौकरी को

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

छोड़कर, इसरे की तलाश के बीच की अवस्था

4) मौसमी बेरोजगारी - कृषिकार्य के बाद

5) चक्रीय बेरोजगारी -

भारत में बेरोजगारी के कारण

→ भारत में अत्यधिक जनसंख्या वृद्धि

→ कौशल की कमी

→ विनिर्माण और निर्माण क्षेत्र की उपेक्षा

→ शिक्षा की स्तर कम और व्यावसायिक शिक्षा को कम महत्व

→ प्रशिक्षण कार्यक्रमों के प्रति उत्साह में कमी -

आगे की राह

→ नई शिक्षा नीति 2020 का पालन

→ व्यावसायिक शिक्षा को बढ़ावा

→ प्रशिक्षण कार्यक्रमों का आयोजन

अतः भारत को अपनी युवा जनसंख्या को मानवपूंजी में बदलने की आवश्यकता है।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

10. यद्यपि विद्युत संशोधन विधेयक 2022 के प्रावधानों की राज्य सरकारों द्वारा आलोचना की जाती है, फिर भी यह विद्युत क्षेत्र में बहु-हितधारक लाभों के लिये आवश्यक है। विश्लेषण कीजिये। (150 शब्द) 10

Although the provisions of Electricity Amendment Bill, 2022 are criticised by state governments yet it is essential for multistakeholder benefits in the power sector. Analyze. (150 words) 10

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

उत्तर - हाल ही में भारत सरकार द्वारा विद्युत क्षेत्र के सुधार और विकास हेतु विद्युत संशोधन विधेयक 2022 लाया गया है।

चूँकि विद्युत, समवर्ती सूची का विषय है इस कारण इस विधेयक पर राज्य सरकार द्वारा विरोध किया गया है।

विद्युत संशोधन विधेयक के प्रावधान

1) डिस्कॉम कम्पनियों को प्रोत्साहन हेतु छूट

2)

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

बहुहितधारक लाभ हेतु महत्व

→ इसके माध्यम से कम मूल्य में विद्युत की उपलब्धता
→ निवेश को आकर्षित करने में सहायक
→ विद्युत की पर्याप्त उपलब्धता।
→ विद्युत उत्पादन हेतु नवीकरणीय स्रोतों की स्थापना
→ प्रबंधन हेतु उपयुक्त प्रयास
→ विद्युत के संग्रहण और वितरण हेतु उपयुक्त योजना

Copyright – Drishti The Vision Foundation

11. भारत में सड़क परिवहन के विकास के मार्ग में विद्यमान चुनौतियों का परीक्षण कीजिये तथा इन चुनौतियों को कम करने हेतु सुझाव दीजिये। (250 शब्द) 15
Examine the challenges in the development of road transport in India and also suggest measures for their mitigation. (250 words) 15

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

उत्तर- भारत में विश्व से बड़े सड़क नागवाले देशों में से एक है। भारत में सड़क निर्माण को बढ़ावा देने हेतु स्वतंत्रता प्राप्ति से ही प्रयास किये गये हैं।

सड़क परिवहन का कुल परिवहन क्षेत्र में सबसे अधिक योगदान है जो इसके महत्व को और बढ़ाता है।

सड़क परिवहन के लाभ

→ अंतिम भौगोलिक क्षेत्रों से संबंध स्थापित करने में सहायक
→ यातायात का प्राथमिक परिवहन स्रोत

Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

भारत में सड़क परिवहन के विकास में विद्यमान चुनौतियाँ -

→ भारत की जटिल भौगोलिक स्थिति

→ निर्माण लागत अधिक

→ भूमि अधिग्रहण आदि में समय अधिक और मुआवजा।

→ भ्रष्टाचार को बढ़ावा

→ निर्माण गुणवत्ता का कम होना

→ निम्न गुणवत्ता के माल का प्रयोग

→ निवेश की कमी

→ वित्त की कमी

→ निजीकरण से लाभ को अधिक महत्व

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

चुनौतियाँ कम करने हेतु सुझाव

→ सार्वजनिक निजी भागीदारी मॉडल जैसे - BOT, BOOT मॉडल को बढ़ावा

→ भ्रष्टाचार रोकने हेतु सामयिक निरीक्षण

→ ऑडिटिंग

→ परफार्मेंस बेस्ड उत्तरदायित्व

→ जवाबदेहिता

→ कच्चे माल हेतु जैविक अपशिष्टों का प्रयोग

→ प्लास्टिक का चक्रीकरण

अतः सड़क द्वारा परिवहन को किसी भी देश की आधार धमनी माना जाता है अतः इसके विकास हेतु सरकारी प्रयास आवश्यक है।

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

12. पूर्ण और सापेक्ष निर्धनता में अंतर स्पष्ट कीजिये। भारत में गरीबी के कारणों की विवेचना कीजिये। (250 शब्द) 15

Bring out the difference between absolute and relative poverty and also discuss the causes of poverty in India. (250 words) 15

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

उत्तर- वैश्विक स्तर पर निर्धनता के मापन हेतु संयुक्त राष्ट्र विकास कार्यक्रम (UNDP) द्वारा बहुआयामी निर्धनता सूचकांक लागू किया जाता है जिसमें भारत का स्थान 102 वां रहा जो, भारत में निर्धनता के बड़े अनुपात को दर्शाता है।

निर्धनता - निर्धनता, वह सामाजिक स्थिति है जिसमें कोई व्यक्ति अपनी बुनियादी आवश्यकता की वस्तुओं को प्राप्त करने में असक्षम होता है।

निर्धनता के प्रकार

1) पूर्ण निर्धनता
2) सापेक्ष निर्धनता

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

पूर्ण निर्धनता	सापेक्ष निर्धनता
→ इसमें व्यक्ति अपनी आधारभूत आवश्यकता की चीजें जैसे - शिक्षा, स्वास्थ्य, भोजन आदि प्राप्त करने में असक्षम होता है।	→ इसके तहत, दूसरों से तुलना की जाती है। अतः यदि एक के पास अधिक संसाधन है और दूसरे के पास कम तो दूसरा पहले के सापेक्ष गरीब होगा
→ यह निर्धनता की वास्तविक स्थिति को दर्शाती है	→ यह वास्तविक निर्धनता को नहीं दर्शाती है।

भारत में गरीबी के कारण

आर्थिक कारण
- बेरोजगारी
- आय का कम होना
- सामाजिक सुरक्षा की कमी
- असंगठित क्षेत्रों में श्रम

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

सामाजिक कारण
- रूढ़िवादी सोच, अंधविश्वास के कारण महिला को रोजगार नहीं
- शिक्षा की कमी
- कुपोषण
- जातिगत भेदभाव
- बाल विवाह
- कृषि में संलग्नता/प्रच्छन्न बेरोजगारी मौसमी बेरोजगारी

राजनीतिक कारण
- सरकारी योजनाओं के प्रति जागरूकता की कमी
- राजनीतिक भागीदारी कम होना

मार्ग की राह -

1) गरीबी निवारण कार्यक्रमों का प्रसार
2) मनरेगा को बढ़ावा
3) खाद्यान्न सुरक्षा हेतु PDS.
4) सर्वशिक्षा अभियान

उपर्युक्त उपायों द्वारा गरीबी को खत्म कर SDG-1 को प्राप्त किया जा सकता है।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

13. मनरेगा की सामाजिक-आर्थिक उपलब्धियों का समालोचनात्मक मूल्यांकन कीजिये। (250 शब्द) 15
Critically evaluate the socio-economic achievements of MGNREGA. (250 words) 15

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

उत्तर- भारत में 'मनरेगा' कार्यक्रम, रोजगार निर्माण हेतु एक विश्व व्यापी कार्यक्रम साबित हुआ जिसके द्वारा महिला सशक्तिकरण, आर्थिक एवं सामाजिक सुधार आदि लक्ष्यों की प्राप्ति में अहम भूमिका निभायी है।

मनरेगा कार्यक्रम

रोजगार के अधिकार के अंतर्गत वर्ष 2005 में प्रारम्भ इस योजना के अंतर्गत ग्रामीण क्षेत्रों में अवसंरचनात्मक एवं विकास कार्यों हेतु रोजगार दिया जाता है।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

प्रावधान -

→ साल में 100 दिनों के कार्य की गारंटी
→ महिलाओं को अधिक प्राथमिकता
→ काम न मिलने पर वेतन भत्ता
→ घर से 5km की दूरी पर काम का क्षेत्र

मनरेगा कार्यक्रम की सामाजिक उपलब्धियाँ

→ महिला सेक्टर रोजगार को बढ़ावा
→ महिला सशक्तिकरण
→ बेरोजगारी नियंत्रण
→ गरीबी निवारण
→ स्वास्थ्य सुधार
→ पोषण स्तर में वृद्धि

चुनौतियाँ → पंचायतों द्वारा भ्रष्टाचार को बढ़ावा
→ निर्माण कार्य की अनदेखी
→ वेतन का देरी से भुगतान

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

आर्थिक उपलब्धियाँ

→ आय की स्थिरता
→ वित्तीय सशक्तिकरण
→ आजीविका में सुधार
→ बैंक में खाता खुलना, ऋण तक पहुँच आदि द्वारा वित्तीय समावेशन

चुनौतियाँ - → आय की निम्न दर
→ अर्द्धशलीकृत कार्य
→ आँकड़ों के कुप्रबंधन से वेतन प्राप्ति में देरी
→ युवा वर्ग द्वारा इन कार्यों को अपनाने से मानव पूंजी का ह्रास
→ आर्थिक महत्व के अवसंरचनात्मक निर्माण कार्यों का सुचारु कार्यान्वयन में कमी

उपरोक्त विश्लेषण से स्पष्ट मनरेगा, भारत में रोजगार के अधिकार की प्राप्ति हेतु महत्वपूर्ण पहल है।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

14. देश में बुनियादी ढाँचे की कमी को दूर करने के लिये सार्वजनिक निजी भागीदारी मॉडल महत्त्वपूर्ण है। विश्लेषण कीजिये। (250 शब्द) 15

Public private partnership is important to address the infrastructure deficit in the country. Analyze. (250 words) 15

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

उत्तर- पिछले वर्षों से देखा गया है कि सरकार द्वारा निर्माण कार्य आदि को निजी क्षेत्रों को सौंपकर कल्याणकारी कार्यों की ओर ध्यान केंद्रित किया जा रहा है।

उदा०- एयर इण्डिया जैसे सार्वजनिक उपक्रमों का विनिवेश

→ LIC में भागीदारी में कमी

→ सड़क निर्माण आदि कार्यों हेतु निजी कम्पनियों को प्रोत्साहन

→ बंदरगाह, विमान पत्तन, आदि अवसंरचना के निर्माण में निजी कम्पनियों का महत्व

उपरोक्त उदाहरणों से ज्ञात होता है कि सरकार द्वारा सार्वजनिक निजी भागीदारी मॉडल को अधिक महत्व दिया जा रहा है।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

बुनियादी ढाँचे के निर्माण में PPP मॉडल का महत्व

- निजी क्षेत्र द्वारा कार्यों को समय में पूरा करना
- कार्य की जवाबदेहिता हेतु उच्च गुणवत्ता युक्त सामग्री का प्रयोग
- निजी क्षेत्र द्वारा नवीन तकनीकों और प्रौद्योगिकियों को बढ़ावा
- नवाचारों का आगमन
- बुनियादी अवसंरचना कार्यों के सम्पन्न होने में तेजी
- भ्रष्टाचार, लालफीताशाही में कमी

कारण - सरकार लोककल्याणकारी नीति में ध्यान देना चाहती है।

- ईज ऑफ डूइंग को बढ़ावा

→ उदारीकरण और निजीकरण

→ प्रतिस्पर्धा द्वारा गुणवत्ता में वृद्धि

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

सार्वजनिक निजी भागीदारी मॉडल के प्रकार -

1) ~~Appraisal~~
BOT मॉडल (Build, Operate, Transfer)
निजी क्षेत्र द्वारा सड़क आदि का निर्माण करना, टोल टैक्स द्वारा लागत राशि की वसूली फिर सरकार को हस्तांतरण

सरकारी प्रयास

→ निजी क्षेत्र को प्रोत्साहन हेतु छूट
→ नियमों में लचीलता
→ लाइसेंस देने में सरलता

उपरोक्त सरकारी प्रयासों द्वारा देश में अवसंरचनात्मक विकास में तेजी आयेगी, विदेशी निवेश में वृद्धि होगी और सकल घरेलू उत्पाद में बढ़ोत्तरी होगी।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

15. मुद्रा का मूल्यह्रास क्या है? वर्त्तमान में रुपए के मूल्यह्रास के संदर्भ में क्या आपको लगता है कि यह भारतीय अर्थव्यवस्था के लिये एक गंभीर चिंता का विषय है? (250 शब्द) 15

What is depreciation of currency? In context of present rupee depreciation do you think it is a serious concern for the Indian economy? (250 words) 15

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

उत्तर- विगत कुछ समय में, रूस-यूक्रेन युद्ध, खाद्य संकट, ईंधन के मूल्य में बढ़ोत्तरी आदि कारणों से भारत से विदेशी निवेशकों का बाहर जाना और मुद्रास्फीति आदि कारणों से मुद्रा का मूल्य ह्रास हुआ है।

मुद्रा के मूल्य ह्रास से आशय

भारतीय मुद्रा का डॉलर की तुलना में क्रयशक्ति में कमी होना ही, मुद्रा का मूल्यह्रास है।

उदा० जहाँ 1 डॉलर = 80रुपये अर्थात् पहले 1 डॉलर में 40 रुपये की कम वस्तु, परन्तु अब दो। अतः डॉलर की क्रयशक्ति बढ़ी और रुपये की कम हुई।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

वर्तमान में मूल्य ह्रास के भारतीय अर्थव्यवस्था पर प्रभाव

सकारात्मक प्रभाव

1) मूल्य ह्रास के कारण भारतीय वस्तुओं की वैश्विक मांग बढ़ जाती है।
2) निर्यात में वृद्धि होती है।
3) भारत में उत्पादन में वृद्धि होती है।
4) रोजगार सृजन
5) आर्थिक संवृद्धि

उपरोक्त कारणों से कई देशों द्वारा जानबूझकर मुद्रा का अवमूल्यन किया जाता है। जिसे WTO द्वारा प्रतिबंधित किया गया है।
अतः यह अवसर के रूप में देखा जाना है।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

नकारात्मक प्रभाव

→ मुद्रा के मूल्य ह्रास से आयात का महंगा होना, जिससे ईंधन के आयात में कमी
→ भुगतान संतुलन में कमी
→ मुद्रास्फीति का बढ़ना
→ विदेशी विदेशी रिजर्व की कमी होना
→ विदेशी निवेश का कम होना
→ भारतीय अर्थव्यवस्था का वैश्विक स्तर पर साख का निम्न होना।

उपर्युक्त विश्लेषण से निष्कर्ष निकलता है कि मुद्रा का मूल्यह्रास अर्थव्यवस्था को नुकसान पहुँचाता है परन्तु भारत जैसे विकासशील देशों के लिये यह अवसर का कार्य भी करता है।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

16. भारत में सेवा क्षेत्र में तीव्र वृद्धि के कारणों पर प्रकाश डालते हुए सेवा क्षेत्र के सामने आने वाली चुनौतियों का वर्णन कीजिये। (250 शब्द) 15

Highlighting the causes for rapid increase in service sector in India, bring out the challenges faced by the service sector. (250 words) 15

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

उत्तर- वर्तमान में भारतीय अर्थव्यवस्था में सेवा क्षेत्र द्वारा 54% तक का योगदान दिया जा रहा है। यत: स्वतंत्रता प्राप्ति के समय भारतीय अर्थव्यवस्था में कृषि की भागीदारी 50% से अधिक थी जो वर्तमान में 14% और विनिर्माण क्षेत्र 29% के स्तर पर है।

सेवा क्षेत्र (तृतीयक क्षेत्रक)

इसके अंतर्गत, सेवा जैसे- स्वास्थ्य, शिक्षा, संचार, यातायात, परिवहन, पर्यटन आदि उपलब्ध करायी जाती है।

→ प्रमुख उद्योग – IT उद्योग
– पर्यटन उद्योग
– शिक्षा उद्योग
– स्वास्थ्य उद्योग

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

भारत में सेवा क्षेत्र में तीव्र वृद्धि के कारण -

1) कृषि प्रधान देश होने के बावजूद कृषि क्षेत्र विकास, मशीनीकरण आदि की कमी के कारण कृषि का पिछड़ना
2) भारत की शिक्षा व्यवस्था और बाजार की मांग
3) विनिर्माण क्षेत्र के विकास के प्रति उदासीनता
4) सेवा क्षेत्र में 'कार्मिकों' की कुशलता
5) कार्य करने की अनुकूल परिस्थिति
6) कार्य हेतु आकर्षक क्षेत्र
7) शारीरिक श्रम की कमी,
8) आय की अधिकता
9) वैश्विक मांग
10) अवसंरचना विकास

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

सेवा क्षेत्र के समक्ष चुनौतियाँ

→ प्रतिस्पर्धा में लगातार बढ़ोत्तरी से स्थायित्व बनाये रखना कठिन

→ सेवा क्षेत्र के आधार विनिर्माण और कृषि क्षेत्र का कमजोर होना

→ भारत जैसे विकासशील देश में असमानता में वृद्धि

→ पूंजीवादी विचारधारा से प्रेरित होने के कारण कल्याणकारी योजनाओं की उपेक्षा

→ डेटा सुरक्षा अधिनियम जैसे महत्वपूर्ण नियमों की अनुपलब्धता

→ कार्य के अनिश्चित समय

→ कार्य का भार अधिक
 मून लाइटिंग आदि

अतः भारत में सेवा क्षेत्र को और अधिक सुदृढ़ बनाने हेतु सरकारी प्रोत्साहन आवश्यक है।

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

17. भारत में विमानन क्षेत्र में अपार संभावनाएँ हैं लेकिन साथ ही कुछ चिंताएँ भी कई गुना बढ़ गई है। चर्चा कीजिये। (250 शब्द) 15

While the opportunities are immense, the vulnerability of the aviation sector in India has grown manifold. Discuss. (250 words) 15

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

उत्तर- भारत में परिवहन सुविधा को सर्वजन सुलभ बनाने हेतु सड़क मार्ग (प्रधानमंत्री सड़क योजना), रेल मार्ग (वंदेभारत, मेट्रो ट्रेन) आदि के साथ विमानन क्षेत्र हेतु 'उड़े देश का आम आदमी' जैसी योजनाएँ विमानन क्षेत्र की संभावनाओं को प्रदर्शित करती है।

विमानन क्षेत्र – यह क्षेत्र तृतीयक क्षेत्र अर्थात सेवा क्षेत्र के अंतर्गत आता है।

→ वायु मार्ग द्वारा परिवहन सुनिश्चित करने हेतु उपयुक्त साधन है।

लाभ - समय की बचत
- ट्रैफिक समस्या का समाधान
- प्रदूषण की कमी।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

भारत में विमानन क्षेत्र में संभावनाएँ

- भारत में विश्व की दूसरी सबसे ज्यादा जनसंख्या है जो एक बड़े बाजार का सृजन करती है।
- भारतीय समाज की गतिशीलता के साथ बड़ा समूह वर्ग, परिवहन हेतु विमानन मार्ग को प्राथमिकता देता है।
- विमानन क्षेत्र के विकास से रोजगार में उपलब्धता बढ़ेगी
- राजस्व की वृद्धि होगी।
- आम नागरिक को कम मूल्य में विमान सेवा का लाभ मिलेगा
- विदेशी निवेश में बढ़ोत्तरी
- अवसंरचना निर्माण
- वैश्विक पहुँच में वृद्धि
- उत्तर-पूर्व से कनेक्टिविटी

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

drishti | दृष्टि The Vision

विमानन क्षेत्र संबंधी चिंताएँ

→ निवेश की कमी
→ वित्त की कमी
→ सरकारी भागीदारी की कमी और अत्यधिक निजीकरण
→ असमानता में वृद्धि
→ लागत-लाभ अनुपात का कम होना
→ अवसंरचनात्मक कमी
→ अत्यधिक निजीकरण से भविष्य में विमान सेवा कार्य महंगा होना
→ समावेशिता की कमी

आगे की राह - उड़ान (UDAN) जैसी योजनाओं को बढ़ावा

- सुदूर क्षेत्रों जैसे उत्तर-पूर्व को जोड़ना
- उत्पाद लिंक योजना से जोड़ना
- सब्सिडी देना।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

18. 'गिग इकॉनमी' शब्द से आप क्या समझते हैं? इससे संबंधित लाभ और चुनौतियों की चर्चा कीजिये। (250 शब्द) 15

What do you understand by the term 'Gig economy'? Discuss the benefits and the issues related to it. (250 words) 15

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

उत्तर- हाल ही, श्रम आवधिक सर्वेक्षण की रिपोर्ट द्वारा यह दर्शाया गया है कि भारत में गिग वर्कर, असंगठित क्षेत्र में श्रमिकों के अंतर्गत निरंतर बढ़ रहे हैं।

गिग इकॉनमी से आशय

यह असंगठित क्षेत्र के अंतर्गत रोजगार उपलब्ध कराने का मंच है जिसमें श्रमिकों को बिना किसी सामाजिक सुरक्षा के अल्प समय के लिये के लिये, कार्य पर रखा जाता है।

→ सामाजिक सुरक्षा (✓) की कमी
→ कार्य के घण्टे अनिश्चित
→ समझौता आधारित संबंध

उदा०- उबर, ओला, स्वीगी, जोमेटो

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

गिग इकॉनमी के लाभ

- रोजगार सृजन करने में महत्वपूर्ण
- सरकारी नियम-कानूनों से दूर
- इच्छानुसार कार्य करने की स्वतंत्रता
- इच्छानुसार कार्य का समय जैसे - दिन या रात-चुनने का विकल्प
- 24×7 सुविधा प्रदाना
- नयी तकनीकों और प्रौद्योगिकियों को बढ़ावा
- स्वरोजगार और नवाचार को बढ़ावा
- श्रमिक एक साथ, अधिक श्रमों से संबंधित रह सकते हैं।
- गरीबी निवारण, आय की उपलब्धता आदि में सहायक

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

गिग इकॉनामी की चुनौतियाँ

→ सामाजिक सुरक्षा जैसे - पेंशन, बीमा, PF आदि की कोई सुविधा नहीं

→ कार्य के घण्टों का अधिक होना

→ आर्थिक और शारीरिक शोषण

→ वेतन का कम होना

→ कार्य अवधि की अनिश्चितता

→ घर्षणात्मक बेरोजगारी को बढ़ावा

आगे की राह -

→ नए श्रम कानूनों में गिग वर्कर्स के सुरक्षा के प्रावधान शामिल करना

→ पेंशन हेतु सरकारी योजना में विशेष लाभ

निष्कर्षतः गिग इकॉनमी ने भारत की बड़ी जनसंख्या को रोजगार दिया है अतः इसका सुदृढ़ीकरण हेतु प्रयास आवश्यक है।

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

19. पूंजी बाज़ार से आप क्या समझते हैं? यह मुद्रा बाज़ार से किस प्रकार भिन्न है? (250 शब्द) 15
What do you understand by capital market? How is it different from money market? (250 words) 15

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

उत्तर - किसी भी देश की अर्थव्यवस्था के सुगम संचालन हेतु कई आयामों को शामिल किया जाता है। उदाहरण के रूप में मुद्रा बाजार और पूंजीबाजार, प्राथमिक मार्केट, द्वितीयक मार्केट, आदि।

पूंजी बाजार से आशय

पूंजी बाजार के अंतर्गत पूंजी निर्माण के रूप पर बल दिया जाता है। उदाहरण के लिये -

1) REITS और InvITs द्वारा अवसंरचना निर्माण कार्यक्रमों में निवेश

2) म्यूच्युअल फण्ड द्वारा पूंजी निर्माण कार्यक्रमों को बढ़ावा।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

मुद्रा बाजार के लाभ

→ स्थायित्व
→ Risk की कमी
→ लम्बी अवधि हेतु निवेश
→ देयताओं की कमी
→ सम्पत्ति का निर्माण
→ आर्थिक विकास

मुद्रा बाजार से आशय

इसके अंतर्गत दैनिक लेन देन-देन को शामिल किया जाता है।
→ इसमें न तो सम्पत्तियों का निर्माण होता है।
और न ही देयताओं की कमी

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

मुद्रा बाजार	पूंजीगत बाजार
साधन - मुद्रा	साधन - शेयर - बाण्ड - डिबेंचर
→ प्राथमिक बाजार संबंधित	→ द्वितीयक बाजार संबंधित

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

20. विकासशील देशों के विकास में रसद क्षेत्र महत्त्वपूर्ण भूमिका का निर्वाह करता है। भारत में रसद क्षेत्र के समक्ष कौन-सी चुनौतियाँ मौजूद हैं? इस क्षेत्र को बढ़ावा देने के लिये हाल में किये गए उपायों की चर्चा कीजिये। (250 शब्द) 15

Logistic sector plays a critical role in the growth of a developing country. Highlight the major impediments affecting the sector. Bring out the measures taken to address those challenges. (250 words) 15

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

उत्तर- किसी भी अर्थव्यवस्था के तीनों प्राथमिक क्षेत्रक, द्वितीयक क्षेत्रक, तृतीयक क्षेत्रों के विकास हेतु रसद क्षेत्र का मज़बूत होना आवश्यक है। अतः इस प्रकार रसद क्षेत्र एक आधारभूत क्षेत्र है।

रसद क्षेत्र (Logistic Sector)

यातायात, परिवहन, बंदरगाह, विमानन, जलमार्ग, थलमार्ग आदि सभी उत्पादों, कच्चा माल आदि की आपूर्ति हेतु अवसंरचना को रसद क्षेत्र कहते हैं।

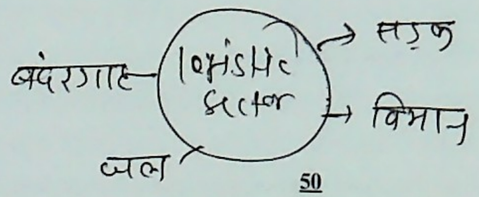

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

देश के विकास में रसद क्षेत्र की भूमिका -

→ आवागमन हेतु अवसंरचना निर्माण
→ निर्माण कार्य को गतिशीलता प्रदान करता है।
→ विदेशी निवेश को आकर्षित करता है।
→ उत्पादन लागत को कम करता है
→ उत्पादकों के सुरक्षित परिवहन को सुगम बनाता है।
→ देश के अवसंरचनात्मक विकास को बढ़ावा देता है।
→ ईज ऑफ डूइंग को बढ़ावा

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

रसद क्षेत्र के समक्ष चुनौतियाँ

→ निवेश की कमी
→ योजनापूर्ण विकास की कमी
→ सरकारी उदासीनता
→ प्रारम्भिक निवेश अधिक
→ वित्त की कमी

रसद क्षेत्र को बढ़ावा देने हेतु प्रयास

→ भारतमाला परियोजना - पर्वतीय हिमालयी क्षेत्र में अवसंरचना निर्माण हेतु
→ सागरमाला परियोजना - बंदरगाहों के निर्माण हेतु
→ प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना
→ उत्पादन लिंक योजना

उपर्युक्त प्रयासों द्वारा और सार्वजनिक-निजी भागीदारी मॉडल द्वारा रसद क्षेत्र के विकास को बढ़ाया जा सकता है।

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

Space for Rough Work
(रफ कार्य के लिये स्थान)

Copyright – Drishti The Vision Foundation

Space for Rough Work

(रफ कार्य के लिये स्थान)

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

Space for Rough Work

(रफ कार्य के लिये स्थान)

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

Space for Rough Work

(रफ कार्य के लिये स्थान)

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation